**॥अथ श्री कृष्णाष्टकम्॥**

**वसुदेव सुतं देवं कंस चाणूर मर्दनम्।**

**देवकी परमानन्दं कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम्॥१॥**

**अतसी पुष्प सङ्काशम् हार नूपुर शोभितम्।**

**रत्न कङ्कण केयूरं कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम्॥२॥**

**कुटिलालक संयुक्तं पूर्णचन्द्र निभाननम्।**

**विलसत् कुण्डलधरं कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम्॥३॥**

**मन्दार गन्ध संयुक्तं चारुहासं चतुर्भुजम्।**

**बर्हि पिञ्छाव चूडाङ्गं कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम्॥४॥**

**उत्फुल्ल पद्मपत्राक्षं नील जीमूत सन्निभम्।**

**यादवानां शिरोरत्नं कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम्॥५॥**

**रुक्मिणी केलि संयुक्तं पीताम्बर सुशोभितम्।**

**अवाप्त तुलसी गन्धं कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम्॥६॥**

**गोपिकानां कुचद्वन्द्व कुङ्कुमाङ्कित वक्षसम्।**

**श्रीनिकेतं महेष्वासं कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम्॥७॥**

**श्रीवत्साङ्कं महोरस्कं वनमाला विराजितम्।**

**शङ्खचक्रधरं देवं कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम्॥८॥**

**कृष्णाष्टक मिदं पुण्यं प्रातरुत्थाय यः पठेत्।**

**कोटिजन्म कृतं पापं स्मरणेन विनश्यति॥**

**॥इति श्री कृष्णाष्टकम् सम्पूर्णम्॥**